

# शोधमंथन

## हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरुष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरुपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

प्रधान सम्पादक:

प्रो० (कैप्टन) अन्जुला राजवंशी,  
आर० जी० पी०जी० कॉलेज, मेरठ

Email Id: [shodhmanthaneditor@gmail.com](mailto:shodhmanthaneditor@gmail.com), [dr.anjularajvanshi@gmail.com](mailto:dr.anjularajvanshi@gmail.com)

सम्पादकीय समिति

डॉ० वजिरा गुनासेन, भाषा, सांस्कृतिक अध्ययन और प्रदर्शन कला विभाग, श्री जयवर्धनेपुरा विश्वविद्यालय, श्रीलंका [wajiragunasena@sjp.ac.lk](mailto:wajiragunasena@sjp.ac.lk)  
प्रोफेसर रामाज्ञा मोर्या, हिन्दी विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ [rymaurya3747@gmail.com](mailto:rymaurya3747@gmail.com)  
डॉ० कामना कौशिक, एस० प्रो०, हिन्दी विभाग, वैश्य कालिज, रोहतक, हरियाणा, [kamnacmk78@gmail.com](mailto:kamnacmk78@gmail.com)  
डॉ० राखी त्यागी, एस० प्रो०, पुस्तकालय एवं सूचना विभाग, के०एल० पीजी कॉलेज, मेरठ [rakhidhruv@gmail.com](mailto:rakhidhruv@gmail.com)  
डॉ० शैफाली अग्रवाल, असि० प्रो०, मनोविज्ञानविभाग, गोकुलदास हिन्दु गर्ल्स कॉलेज, मुरादाबाद, [akshat02agarwal@gmail.com](mailto:akshat02agarwal@gmail.com)  
डॉ०सत्यवीर सिंह, असि० प्रो०, विभाग, चौ० जी० एस० गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सहारनपुर [satyveer171@gmail.com](mailto:satyveer171@gmail.com)  
डॉ० अनामिका, असि० प्रो०, शिक्षा विभाग, एस०एन०सेन बी०वी० पीजी कॉलेज, कानपुर, [angelanamika22@gmail.com](mailto:angelanamika22@gmail.com)  
श्रीमति कीर्ति देवी रामजतन, हिन्दी विभाग, महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट, मोरिशस, [kdramjatton@yahoo.com](mailto:kdramjatton@yahoo.com)

- शोध मंथन त्रि-मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई-मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- कृपया अपना लेख [kietjournals@gmail.com](mailto:kietjournals@gmail.com) पर भेजें।
- Authors are responsible for the cases of plagiarism.

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of  
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST  
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहाँ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता है।

### Subscription

In India	Rs. 1000.00 प्रति अंक	Rs. 4000.00 वार्षिक
Out of India	\$ 10.00 प्रति अंक	\$ 400.00 वार्षिक

# शोध मंथन

## हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XV No. III

July-Sept. 2024

<https://doi.org/10.31995/shodhmanthan>

### अनुक्रमणिका

- |  |     |
|--|-----|
| 56. शिक्षार्थी विकास के पक्षों एवं गुणों के सन्दर्भ में संविधान, आयोगों, नीतियों तथा आधुनिक कालीन चौदह संत-शिक्षाविदों के विचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन<br><i>डॉ० मणि जोशी</i> | 345 |
| 57. सामाजिक नियंत्रण में पुलिस की भूमिका<br>(दंड व्यवस्था के विशेष संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण)<br><i>डॉ० नवनीत कुमार</i>   | 359 |
| 58. भारत में सुशासन की पृष्ठभूमि<br><i>डॉ० टेकचन्द</i>   | 366 |
| 59. जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में पर्यटन विकास: एक भौगोलिक अध्ययन<br><i>डॉ० विजय कुमार</i>  | 373 |
| 60. भारत में पर्यटन का विकास<br><i>डॉ० कमलेश बैरवा</i>   | 384 |
| 61. भारत में कृषि ऋण का विश्लेषणात्मक अध्ययन<br><i>श्रीमती भावना यादव</i>  | 391 |
| 62. भारतीय गाँवों में सामाजिक संरचना के बदलते स्वरूप का अवलोकन<br><i>अनुपमा यादव, प्रो. डॉ. सत्या मिश्रा</i>   | 398 |
| 63. भारतीय भित्ति-चित्रों में प्रयुक्त प्रतीकों का चित्रात्मक विश्लेषण<br><i>अमित कुमार, प्रो. उमाशंकर प्रसाद</i>  | 406 |
| 64. युवाओं के करियर व रोजगार प्राप्त करने में रोजगार मेलों की प्रासंगिकता: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन<br><i>कु. काजल, प्रो. रीना शर्मा</i>  | 414 |
| 65. छत्तीसगढ़ बस्तर संभाग की सांस्कृतिक परम्परा हाट-बाजारों में मुर्गा लड़ाई<br><i>हरीश कुमार चन्द्राकर, डॉ. सुचित्रा शर्मा, डॉ. अमरनाथ शर्मा</i>                                | 424 |
| 66. स्वामी विवेकानन्द के शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता: उत्तराखण्ड के सन्दर्भ में<br><i>डॉ० प्रकाश लखेड़ा, गीता</i>   | 433 |

67. सतत् विकास लक्ष्यों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण में पीएम उज्ज्वला योजना: एक अध्ययन  
*श्रीमती निशा, प्रो (डॉ.) अनामिका कौशिवा* 440
68. मानव जीवन पर पड़ने वाले विज्ञापन के आर्थिक व सामाजिक प्रभाव  
*हिमांशु शर्मा, अघान्त पाठक* 450
69. वैश्वीकरण और उदारीकरण का प्रभाव रोजगार उत्पादक और प्रतिस्पर्धात्मकता का एक अध्ययन: मध्य प्रदेश राज्य के विशेष सन्दर्भ में  
*डॉ विद्यानंद पाडेय, कुमारी ललिता यादव* 459
70. समकालीन कला में रामकुमार जी का योगदान  
*ज्योति, प्रो० उमाशंकर प्रसाद* 467
71. भारतीय शास्त्रीय कला के साधक विरेंद्र सिंह राही  
*डॉ ओमप्रकाश मिश्रा, रजत चौहान* 473
72. हरिपुरा-बौर जलाशय परियोजना (ऊधम सिंह नगर) का क्षेत्रीय विकास में महत्व: एक अध्ययन  
*सुमन, डॉ. लता कैंडा, डॉ सिराज अहमद* 478
73. समकालीन चित्रकला के स्वरूप पर पाश्चात्यवादी कला का प्रभाव  
*डॉ० मनोज कुमार* 489
74. परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन एवं घटती नामांकन दर  
*प्रतिभा रानी* 497
75. प्राचीन भारत में शिक्षा प्रणाली नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय  
*डॉ. शोकेन्द्र कुमार शर्मा* 503
76. अपचारी बालकों के व्यक्तित्व व आपराधिक क्रियाओं का विप्लेशणात्मक अध्ययन  
*नमिता वर्मा, डॉ. मणि जोशी* 510
77. स्वतन्त्र भारत की विदेश नीति: विश्व पटल पर भारत की बनती पहचान (पुस्तक समीक्षिका)  
*डॉ० (श्रीमती) नीरज* 518